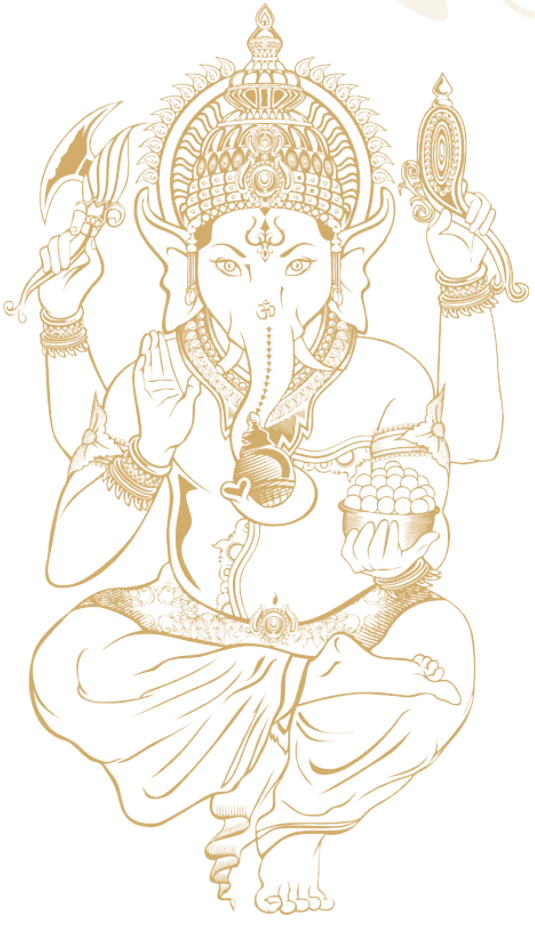

# Shubham Dhawan

# Saloni kapoor

Model: Love-Horoscope

Order No: 121664001

Model: Love-Horoscope

Order No: 121664001 Date: 20/03/2026

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 13-14/11/1997 | जन्म तिथि | 27/05/2000 |
| गुरु-शुक्रवार | दिन | शनिवार |
| घंटे 04:18:00 | जन्म समय | 16:00:00 घंटे |
| घटी 53:23:39 | जन्म समय(घटी) | 26:13:53 घटी |
| India | देश | India |
| Firozpur | स्थान | Firozpur |
| 30:55:00 उत्तर | अक्षांश | 30:55:00 उत्तर |
| 74:38:00 पूर्व | रेखांश | 74:38:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:31:28 | स्थानिक संस्कार | -00:31:28 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:56:32 | सूर्योदय | 05:30:26 |
| 17:34:18 | सूर्यास्त | 19:27:08 |
| 23:49:32 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:51:29 |

| | | |
|---|---|---|
| कन्या | लग्न | कन्या |
| बुध | लग्न लग्नाधिपति | बुध |
| मेष | राशि | कुम्भ |
| मंगल | राशि-स्वामी | शनि |
| भरणी | नक्षत्र | पू०भाद्रपद |
| शुक्र | नक्षत्र स्वामी | गुरु |
| 2 | चरण | 2 |
| वरियान | योग | विष्कुम्भ |
| विष्टि | करण | तैतिल |
| लू-लूनेश | जन्म नामाक्षर | सो-सौम्या |
| वृश्चिक | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मिथुन |
| क्षत्रिय | वर्ण | शूद्र |
| चतुष्पाद | वश्य | मानव |
| गज | योनि | सिंह |
| मनुष्य | गण | मनुष्य |
| मध्य | नाड़ी | आद्य |
| मृग | वर्ग | मेष |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 11वर्ष 4मा 26दि | | 23:11:50 | कन्या | लग्न | कन्या | 29:46:09 | गुरु 11वर्ष 10मा 8दि | |
| मंगल | | 27:46:19 | तुला | सूर्य | वृष | 12:34:27 | शनि | |
| 11/04/2025 | | 19:03:46 | मेष | चंद्र | कुंभ | 23:27:07 | 05/04/2012 | |
| 10/04/2032 | | 09:43:54 | धनु | मंगल | वृष | 22:31:34 | 06/04/2031 | |
| मंगल | 07/09/2025 | 15:14:16 | वृश्चि | बुध | मिथु | 01:44:45 | शनि | 09/04/2015 |
| राहु | 25/09/2026 | 20:25:36 | मक | गुरु | मेष | 28:34:31 | बुध | 17/12/2017 |
| गुरु | 01/09/2027 | 14:34:16 | धनु | शुक्र | वृष | 08:30:36 | केतु | 26/01/2019 |
| शनि | 10/10/2028 | 20:37:50 | मीन व | शनि | मेष | 28:42:28 | शुक्र | 28/03/2022 |
| बुध | 07/10/2029 | 23:52:26 | सिंह व | राहु व | कर्क | 01:58:56 | सूर्य | 10/03/2023 |
| केतु | 05/03/2030 | 23:52:26 | कुंभ व | केतु व | मक | 01:58:56 | चन्द्र | 08/10/2024 |
| शुक्र | 05/05/2031 | 11:18:15 | मक | हर्ष व | मक | 26:57:52 | मंगल | 17/11/2025 |
| सूर्य | 10/09/2031 | 03:42:37 | मक | नेप व | मक | 12:37:10 | राहु | 23/09/2028 |
| चन्द्र | 10/04/2032 | 11:06:26 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 17:49:34 | गुरु | 06/04/2031 |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:49:32  चित्रपक्षीय अयनांश  23:51:29**

## लग्न-चलित

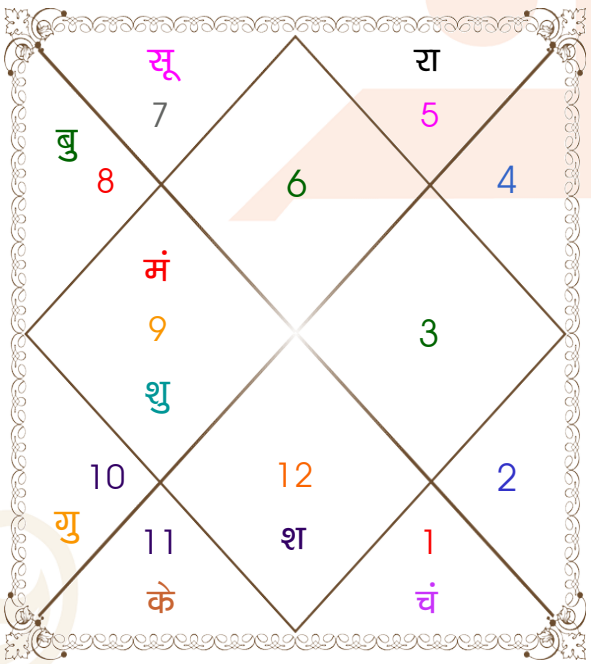


## लग्न-चलित

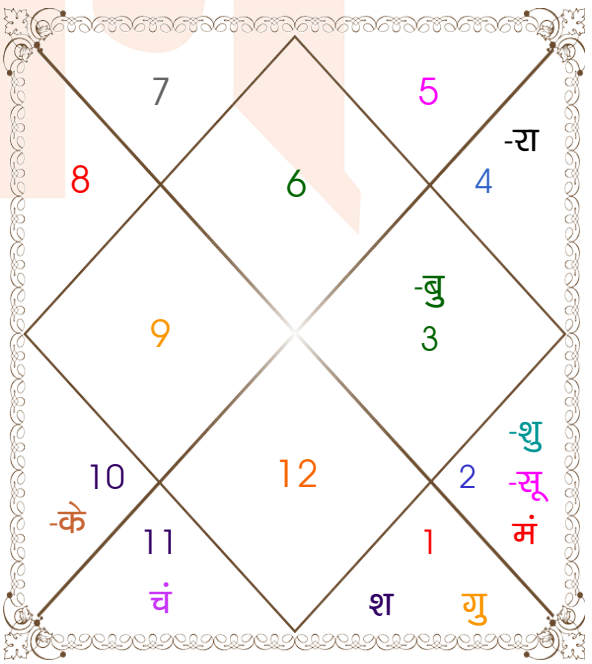

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | प्रत्यारि | साधक | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | सिंह | 4 | 0.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | शनि | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मेष | कुम्भ | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 25.00 | | |

कुल : **25 / 36**

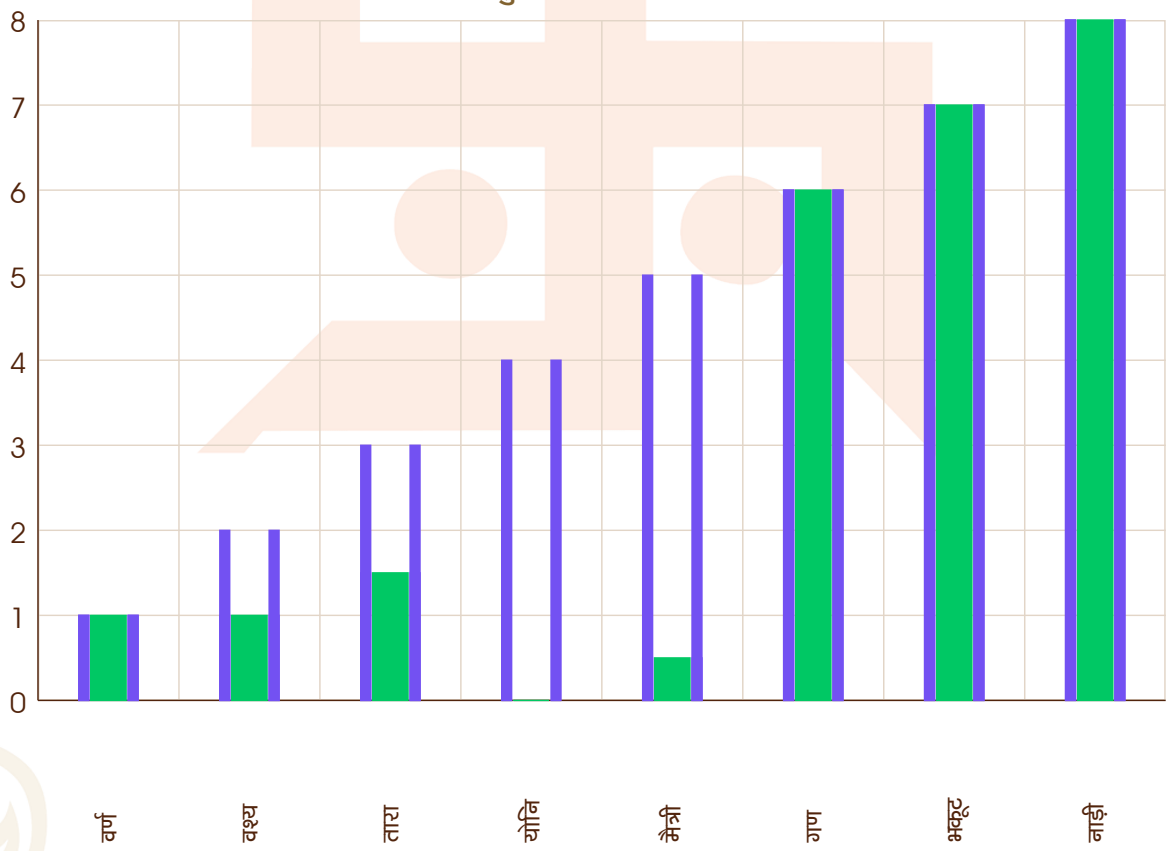

# अष्टकूट मिलान

ैनिझींउ वींूद  का वर्ग मृग है तथा ैसवदप ंचववत  का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ैनिझींउ वींूद  और ैसवदप ंचववत  का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

ैनिझींउ वींूद  मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

ैसवदप ंचववत  मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि  राहु ैसवदप ंचववत  कि कुण्डली में  एकादश  भाव में  स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनिझींउ वींूद  तथा ैसवदप ंचववत  में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

ैनड्डींउ वींूद  का वर्ण क्षत्रिय तथा ैसवदप ंचववत  का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से ैसवदप ंचववत  वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा ैनड्डींउ वींूद  से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

## वश्य

ैनड्डींउ वींूद  का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं ैसवदप ंचववत  का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार ैनड्डींउ वींूद  एवं ैसवदप ंचववत  एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी ैसवदप ंचववत  क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

## तारा

ैनड्डींउ वींूद  की तारा प्रत्यरि तथा ैसवदप ंचववत  की तारा साधक है। ैनड्डींउ वींूद  की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत ैनड्डींउ वींूद  कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप ैसवदप ंचववत  को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

## योनि

ैनड्डींउ वींूद  की योनि गज है तथा ैसवदप ंचववत  की योनि सिंह है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना

चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ैनिईंउ वींूद  का राशि स्वामी ैसवदप ंचववत  के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि ैसवदप ंचववत  का राशि स्वामी ैनिईंउ वींूद  के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

## गण

ैनिईंउ वींूद  का गण मनुष्य तथा ैसवदप ंचववत  का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। ं तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

## भकूट

ैनिईंउ वींूद  से ैसवदप ंचववत  की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा ैसवदप ंचववत  से ैनिईंउ वींूद  की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ैनिईंउ वींूद  परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर ैसवदप ंचववत  हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

## नाड़ी

ैनिईंउ वींूद  की नाड़ी मध्य है तथा ैसवदप ंचववत  की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

ैनईींउ वींूद  की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है जबकि ैसवदप ंचववत  की वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। अग्नि एवं वायुतत्व में मित्रता के कारण इनके परस्पर संबधों में मित्रता का आभास रहेगा। साथ ही ैसवदप ंचववत ैनईींउ वींूद  की शारीरिक आकर्षण की अपेक्षा बुद्धिमता के भाव पर विशेष केंद्रित रहेंगी तथापि यदि ैनईींउ वींूद ैसवदप ंचववत को यथोचित सहयोग प्रदान करें तो जीवन में मधुरता के भावों में वृद्धि हो सकती है।

ैनईींउ वींूद  का राशि स्वामी मंगल ैसवदप ंचववत  की राशि स्वामी शनि का शत्रु तथा ैसवदप ंचववत  का राशि स्वामी शनि मंगल का सम है। अतः परस्पर सुख शांति एवं सदभाव के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। ऐसे योग में समस्याओं दोनों तरफ से उत्पन्न होगी। इससे परस्पर ईर्ष्या का भाव विद्यमान रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी। यदि परस्पर ईर्ष्या के भाव का त्याग किया जाय तो संबधों में स्नेह के भाव की वृद्धि हो सकती है।

ैनईींउ वींूद  और ैसवदप ंचववत  की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट है। अतः इसके प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं परस्पर संबधों में ईमानदारी स्नेह एवं आत्मसमर्पण का भाव सदैव विद्यमान रहेगा। साथ ही परस्पर मतभेदों को आप आपस में स्पष्ट चर्चा के द्वारा सुलझाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति में वृद्धि होगी।

ैनईींउ वींूद  का वश्य चतुष्पद तथा ैसवदप ंचववत  का वश्य मानव है। इनमें नैसर्गिक शत्रुता का भाव होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर एक दूसरे को सन्तुष्ट करने में यत्न से ही सफलता मिलेगी।

ैनईींउ वींूद  का वर्ण क्षत्रिय तथा ैसवदप ंचववत  का वर्ण शूद्र है। अतः ैनईींउ वींूद कार्य क्षेत्र में प्रभावी पराक्रमी तथा परिश्रमी होंगे तथा ैसवदप ंचववत  में कर्तव्य परायणता का भाव विद्यमान रहेगा चाहे वह किसी भी प्रकार का कार्य हो।

## धन

ैनईींउ वींूद  और ैसवदप ंचववत  की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। ैनईींउ वींूद  एवं ैसवदप ंचववत  की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से ैनईींउ वींूद  और ैसवदप ंचववत की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

ैनईींउ वींूद  को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती

है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार ैनईींउ वींूद और ैसवदप ंचववत धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

## स्वास्थ्य

ैनईींउ वींूद की नाड़ी मध्य तथा ैसवदप ंचववत की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओं से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु ैसवदप ंचववत के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगों से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगों से भी उनको जीवन में यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी।

## संतान

संतति के दृष्टिकोण से ैनईींउ वींूद और ैसवदप ंचववत का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य भी पर्याप्त अंतर रहेगा फलतः उनका उचित पालन पोषण का अवसर प्राप्त होगा परन्तु इनकी कन्या संतति पुत्र संतति से अधिक संख्या में उत्पन्न होगी।

ैसवदप ंचववत का प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा उसमें किसी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा तथापि सावधानी वश ैसवदप ंचववत नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण इत्यादि समय समय पर करवाती रहें। इससे गर्भावस्था का समय सामान्य रहेगा तथा प्रसव काल में बिना किसी समस्या के सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी।

ैनईींउ वींूद और ैसवदप ंचववत बच्चों की व्यवहार कुशलता तथा बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे भी अपनी योग्यता से अपने क्षेत्र में निरंतर उन्नति मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके सदगुणों से अन्य सामाजिक जन भी प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे ैनईींउ वींूद और ैसवदप ंचववत अपने बच्चों की श्रद्धा तथा आज्ञाकारी भाव से गौरवान्वित। होंगे। साथ ही बच्चे भी माता पिता की आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे। इससे ैनईींउ वींूद और ैसवदप ंचववत का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

ैसवदप ंचववत के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत ैसवदप

ंचववत  के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

ैसवदप ंचववत  अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार ैसवदप ंचववत  के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

## ससुराल-श्री

ैनड्डींउ वींूद  के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही ैनड्डींउ वींूद  उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण ैनड्डींउ वींूद  के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।

## Shubham Dhawan

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये

चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।

## Saloni kapoor

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ कन्या का नवमांश एवं वृषम (राशि) लग्न का भी उदय आपके जन्मकाल ही हुआ था। कन्या तथा वृष राशि के संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह सभी संयोग आपके अनुकूल है। आपके जन्म का प्रभाव यह भी निश्चित करता है कि आपकी अभिलाषा के अनुरूप आपका जीवन आरामदेह, फलदायी एवं आनन्द प्रियता के साथ व्यतीत हो सकता है।

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है। आपकी उन्नत और चौड़ी ललाट तथा प्रभावशाली आंखे आपको सुव्यवस्थित बनाएंगी तथा आपके सम्पर्क में आनेवाले सभी प्राणी आपको एवं आपके व्यक्तित्व को पसंद करंगे।

आप व्यक्तिगत रूप से साहसी एवं व्यवहारिक महिला हैं। आप शक्ति संपन्न तथा सामुदायिक भावना की प्राणी हैं। आप किसी भी प्रकार के आयोजनों का दायित्व ग्रहण कर, उस कार्यक्रम अर्थात् योजना को पूर्ण सफल बना सकती हैं। आप में इतनी क्षमता विद्यमान है कि आप बड़ी उपलब्धि प्राप्त करेंगी, परन्तु आप किसी भी वस्तु को सुरक्षित रखने के योग्य नहीं हैं क्योंकि आप मात्र एक अति शक्ति सम्पन्न व्यक्ति ही नहीं बल्कि आप महान खर्चीली अर्थात् धन को (नाश) अपव्यय करने वाली प्राणी हैं। आप सदैव प्रभावशाली तरीके से किसी भी आयोजनों में सम्मिलित होकर मुफ्त में विशिष्टता प्राप्त करती हो। आप स्वयं के लिए तथा अपने परिवारिक सदस्यों के लिए अपने ढंग से वस्त्राभूषणादि पर बहुत खर्च करोगी। सम्प्रति आप ऐसा चाहती है कि हर परिस्थिति में अधिक से अधिक बहुत व्यय करें जो सामान्य जीवन के लिए उपयुक्त हैं।

तथापि आपमें एक छोटी सी नकारात्मक भावना विद्यमान है तथा यदा कदा आप सहजता पूर्वक इसे सहज समझ लेती हो। जब इस के संबंध में सावधानी बरतना अपेक्षित हो जाता है तो इस विषय को स्थगित कर देती हैं। आपको अपनी अकर्मण्यता वाली मुद्रा का परित्याग करना होगा। तब ही आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में एकाग्रता प्राप्त कर सकेंगी। यह आपके लिए उच्चतम लाभजनक स्थिति प्रमाणित होगी। विशेषतः आपके जीवन का 33 वें से 38 वें वर्ष तक आपको सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंच सकते हैं।

आप उच्चकोटि की धार्मिक प्राणी हैं। आप पराविज्ञान एवं ज्योतिष विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करने के प्रति रूचिवान तथा आकर्षित है। आपकी धारणा परोपकारी कार्य के सम्पादन

संबंध में तथा पिछड़े लोगों तथा दुर्बल श्रेणी के व्यक्तियों को मदद करने की रहती है।

आपके संबंध में गम्भीर रूप से विचारणीय है कि आप समसामयिकी अनुकूल व्यंग विनोद प्रिय वार्त्तालाप करके जन सामान्य के द्वारा उच्च मूल्यांकित की जाती हैं। अर्थोपार्जन के लिए आप निश्चित दिशा सुनिश्चित कर चुकी हैं। आप सदैव अपने पति एवं सन्तान से युक्त सुखद घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगी।

आपके लिए उपयुक्त व्यवसायों में अच्छी प्रकार व्यवहारणीय धन्धा यथा खेल-कूद की सामग्री, मोटर पार्ट्स के अतिरिक्त पार्ट्स का व्यवसाय करना उत्तम होगा। पार्टनरशिप के व्यवसाय हेतु बुद्धिमान व्यक्ति के साथ संबंधित होकर वस्त्र विक्रय तथा आभूषण रत्नादि का धन्धा भी अनुकूल हो सकता है। यदि आप कोई नौकरी करना चाहती हैं तो चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक एवं रत्नाकर की सेवा धन्धा प्रारंभ कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य निःसन्देह अति उत्तम रहेगा। परन्तु कुछ वर्षों के पश्चात् शरीर का वाह्य सतह अन्य प्रकार के रोगादि से प्रभावित हो सकता हैं। आप किडनी या मूत्रासय रोग से भी ग्रसित न होवें। अस्तु इन संभावित रोगादि के प्रकोप से सर्तक रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, सफेद, सूआपंखी एवं हरा रंग उत्तम है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं नीला रंग त्याजनीय है। आपके लिए अंकों में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक आपके लिए लाभप्रद है। परन्तु अंक 1 एवं 8 अंक हानिकारक है।

# अंक ज्योतिष फल

## Shubham Dhawan

आपका जन्म दिनांक 14 है। एक एवं चार के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। एक अंक का सूर्य तथा चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह है। इन सभी ग्रहों का न्यूनाधिक मात्रा में आपके ऊपर प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी बुध के प्रभावश आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार मार्ग का चुनाव करना अधिक पसन्द करेंगे। रोजगार आप ऐसा चुनेंगे, जहाँ लेखा, लेन-देन, वाणिज्य, यांत्रिकी जैसे कार्य संपादित हों। फैक्ट्री, कम्पनी, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुध वाणी का दाता है। सूर्य प्रसिद्धि का, हर्षल परिवर्तन का। अतः आपके अंन्दर वाक् पटुता, बुद्धि-विवेक अच्छा रहेगा एवं आपकी सामाजिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। मूलांक के प्रभाव से आपकी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ परिवर्तनशील रहेंगी एवं परिवर्तन करते रहना आपको अच्छा लगेगा।

परिवर्तनशील गुण होने से आपके विचारों में समयानुसार, अवस्थानुसार बदलाव आता रहेगा। जो कि आपकी अन्तिम अवस्था तक चलेगा। इस क्रिया का अन्त में आपको लाभ अच्छा मिलेगा और आपका यश, नाम इत्यादि दीर्घकाल तक याद किया जाता रहेगा। आप अपनी कमियों का निरन्तर निरीक्षण करते रहेंगे तो निश्चित ही आप उक्त ग्रहों के प्रभाववश एक सफल व्यक्तित्व के धनी हो जायेंगे।

## Saloni kapoor

आपका जन्म दिनांक 27 होने से दो और सात के योग द्वारा नौ आपका मूलांक होगा। जिसका अधिष्ठाता ग्रह मंगल है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक सात का भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह है।

मूलांक नौ का स्वामी मंगल एवं उनके ग्रहमण्डल का सेनापति होने से आपके अन्दर सेनापतित्व की भावना अधिक रहेगी। आप बचपन से अन्तिम अवस्था तक मुखिया के रूप में रहना पसन्द करेंगी। ऐसा ही रोजगार का क्षेत्र चुनेंगी, जिसमें आप स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें। साहस आपके अन्दर कूट-कूट कर भरा होगा तथा साहसिक कार्यों को करने में आपको विशेष आनन्द की अनुभूति होगी। स्वभाव से आप तेज गति वाली, शीघ्रातिशीघ्र कार्य को अंजाम देने वाली तथा जल्दी एवं फुर्ती से सभी कार्यों को संपादित करने वाली महिला के रूप मे ख्याति अर्जित करेंगी।

साहस आपका मुख्य गुण रहेगा और दुःसाहस अवगुण। कभी-कभी दुःसाहस वश आप अपने जीवन में गहरी चोट भी खायेंगी। अनुशासन पालन करना एवं कराना आपके स्वभाव में रहेगा। इससे आप कठोर हृदय की महिला कहलायेंगी। लेकिन कोई भी व्यक्ति आपकी खुशामद, चापलूसी करके आपसे वांछित कार्य करा सकता है। अतः इस अवगुण के

कारण खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से आप जीवन में कई बार हानि भी उठायेंगी। क्रोध की मात्रा आपके स्वभाव में ज्यादा ही रहेगी। इससे आपको हानियों की संभावनाएं प्रायः बनी रहेंगी एवं आपके शत्रुओं, विरोधियों की वृद्धि का कारण आपका क्रोध बनेगा।

अंक दो का स्वामी चद्र एवं सात का नेपच्यून आपकी कल्पना शक्ति, अन्वेषण कार्यों में वृद्धि करेगा। आपको बाग-बगीचे, हरियाली, जंगल, पहाड़ों की सैर करना अच्छा लगेगा।

## Shubham Dhawan

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगे। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगे। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण के शौकीन रहेंगे। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रहे हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

## Saloni kapoor

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है, अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकती हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचिपूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगी। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।